Azadi Ka Amrit Mahotsav

सत्यमेव जयते

Ministry of Ayush

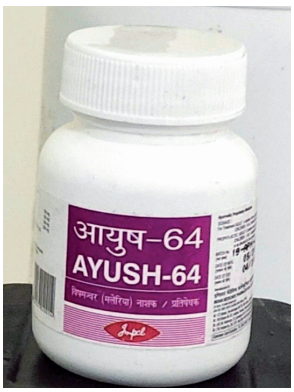

Ministry of Ayush recommends, Ayush 64 in the management of Asymptomatic and mild to moderate COVID 19

- AYUSH 64 is an Ayurvedic research based formulation which was developed by the Central Council for Research in Ayurvedic Sciences (CCRAS) Ministry of Ayush, Govt. of India and studied for repurposing in the management of COVID 19 by AYUSH-CSIR collaborative study

- AYUSH 64 includes aqueous extract of Saptaparna (Alstonia scholaris R. Br.) aqueous bark extract, Katuki (Picrorhiza kurroa Royle ex. Benth) aqueous rhizome extract, Kiratatikta (Swertia Chirata Pex bex. Karst) aqueous extract of the whole plant and powder of Kuberaksha (Caesalpiniacrista Linn.) fine-powdered seed pulp.

- In Asymptomatic COVID 19 patients: 2 tablets twice a day with warm water, one hour after food for 20 days

- In Mild to Moderate COVID 19 patients: 2 tablets thrice a day with warm water, one hour after food for 20 days

- Research studies have shown that Ayush 64 if given with standard care or standalone, it helps in faster recovery, help patients from going to severe form of disease and thus reduce chances of hopitalisation

Available at Ayush pharmacies and e-commerce portals

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सत्यमेव जयते

आयुष मंत्रालय

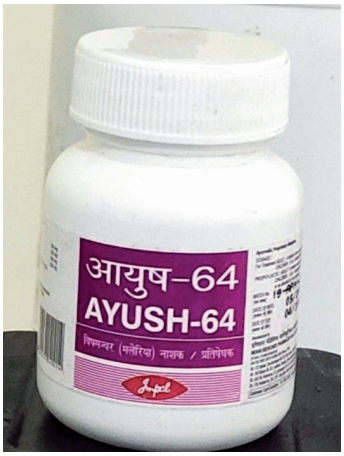

आयुष मंत्रालय, बिना लक्षण के एवं अल्प व मध्यम लक्षण के कोविड-19 के उपचार हेतु आयुष-64 औषधि की सलाह देता है

- आयुष-64 केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद् (सीसीआरएएस) आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अनुसंधान के द्वारा निर्मित औषधि है एवं आयुष सीएसआईआर के संयुक्त अनुसंधान द्वारा कोविड में प्रयोगार्थ पुनः उद्देशित की गई है।
- आयुष-64 सप्तपर्ण, कुटकी, किराततिक्त एवं कुबेराक्ष द्वारा निर्मित है।
- बिना लक्षण के रोगियों को आयुष-64, 2 गोली दिन में दो बार गरम पानी से, खाने से एक घंटे बाद 20 दिन तक देना है।
- अल्प एवं माध्यम लक्षण के रोगियों को आयुष-64, 2 गोली दिन मे तीन बार गरम पानी से, खाने से एक घंटे बाद 20 दिन तक देना है।
- अनुसंधान अध्ययन में पाया गया है कि आयुष-64 अकेले ही (standalone) अथवा मानक चिकित्सीय देखभाल (add on) के साथ देने से रोगी को जल्दी ठीक होने में सहायता करता है एवं रोगी को बीमारी के विषम स्थिति में जाने से बचाने में सहायक है अतः अस्पताल में भर्ती होने की स्थिति में आने की संभावना को कम करने में सहायक है ।

सभी आयुष औषध केंद्रों एवं ई-कॉमर्स पोर्टल पर उपलब्ध